>

Title: Need to establish Rajauli Atomic Power Plant in Nawada district of Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): अध्यक्षा जी, आज चंदवा के चाँद की चांदनी से आसन आलोकित है और उसी आलोक में मैं सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं। मैडम, 2000 ईस्वी से बिहार अंधेरे में है और 22 वर्षों से बिहार की कोख से बिजली की एक किरण नहीं निकल रही है और मैं समझता हूं कि 2015 ईस्वी तक बिहार अंधेरे में रहने के लिए विवश है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार को धन्यवाद देते हुए कहना चाहता हूं कि भारत सरकार ने पिछले दिनों चार वर्ष पहले, हमारा क्षेत्र जो नवादा है जो पिछड़ेपन से अभिशप्त है, उस रजौली को विद्युत ताप केन्द्र के रूप में चयनित किया। सर्वेक्षण भी हुए और उसके बाद भारत सरकार ने बिहार सरकार को लिखा कि आपके यहां आबादी तो घनी नहीं है, ठीक है, सकारात्मक है लेकिन पानी की कमी है। हमारे मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने दो-दो बार राष्ट्रीय विकास परिषद् में भारत सरकार को आश्वस्त किया कि वहां की जो नदी है उसमें डैम बनाकर पानी की व्यवस्था करके, इस योजना को कार्यान्वित करने के लिए हम आपसे आग्रह करते हैं। बिहार सरकार के बार-बार आग्रह करने के बाद भी भारत सरकार अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर पाई है। मैडम, मैं अपनी पीड़ा को इसीलिए व्यक्त करना चाहता हूं। बिहार एक्ट करता है, रिएक्ट नहीं करता है।

महोदया, बिहार का मौन आने वाले तूफान को निमंत्रण देता है, इसलिए मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि भारत सरकार को हमारी भावना का, क्योंकि हमारी भावना केवल एक क्षेत्र की भावना नहीं है बल्कि सम्पूर्ण बिहार की सियासत है, सम्पूर्ण बिहार की जो सांस्कृतिक चैतन्य आत्मा है, ध्यान रखना चाहिए। उसकी पीड़ा को हम आपके माध्यम से सदन के सामने रखना चाहते हैं। हम आशा करते हैं कि हमारी संवेदना का समादर करते हुए आपके माध्यम से भारत सरकार राजौली में आणुविक विद्युत ताप केंद्र की स्थापना करेगी।